

Sl. No. 313

D-DTN-J-IJA

**HINDI**

**Paper—I**

( Literature )

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

**INSTRUCTIONS**

**Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.**

**The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.**

**Answers must be written in Hindi.**

**Section—A**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए :

20×3=60

(क) अवहट्ट की विशेषताएँ

(ख) सिद्ध-नाथ-साहित्य में खड़ीबोली का स्वरूप

(ग) संचार-माध्यम और हिन्दी

(घ) हिन्दी की लिंग-व्यवस्था

2. आरम्भिक हिन्दी के विकास को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रवृत्तियों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

60

3. नागरीलिपि का उद्भव और विकास विवेचित करते हुए हिन्दी भाषा के मानकीकरण में उसके योगदान पर प्रकाश डालिए। 60
4. हिन्दी की विभिन्न व्याकरणिक कोटियों का उल्लेख करते हुए पद-रचना में उनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए। 60

### Section—B

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : 20×3=60
- (क) रासोकाव्य : विकास और प्रवृत्तियाँ
- (ख) पुष्टिमार्ग और अष्टछाप
- (ग) आंचलिक उपन्यास : शक्ति और सीमा
- (घ) छायावाद और भक्तिकाव्य
6. सूफी-काव्यधारा के विकास को रेखांकित करते हुए जायसी के सांस्कृतिक प्रदेय का मूल्यांकन कीजिए। 60
7. रीतिकालीन काव्य की स्वच्छंदतावादी प्रवृत्ति के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए घनानन्द के काव्य की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 60
8. नाटक और रंगमंच का सम्बन्ध स्पष्ट करते हुए मोहन राकेश के नाटकों की रंगमंच की दृष्टि से समीक्षा कीजिए। 60

★ ★ ★